सरपंच के बेटे से मारपीट कर पैर तोड़े

अलवर। महिला सरपंच के 52 साल के बेटे पर पूर्व सरंपच के परिवार ने हमला कर दिया। मारपीट कर पैर तोड़ दिए। घायल और उसके परिजनों ने गोली मारने का भी आरोप लगाया है। घायल को अलवर से जयपुर रैफर किया गया है। घटना अलवर के कठूमर के बहतूकला थाना क्षेत्र के टोडा गांव की है।

बहतूकला थाना क्षेत्र के रस्ढ़ सहजाद ने बताया- टोडा गांव में बुधवार रात करीब साढे 8 बजे सरपंच के बेटे से मारपीट करने का मामला सामने आया है। सरपंच का बेटा केदार बुधवार रात को गोपालपुरा की तरफ आ रहा था। रास्ते में उसकी गाड़ी को रोककर मारपीट की गई। उसके बाद केदार को हरीपुरा की तरफ ले गए। वहां ले जाकर पैर तोड़ दिए। इसके बाद गोली भी मारी है। आरोपी परिवार पूर्व सरपंच सुरेश का बताया गया है। घायल केदार को अलवर रैफर किया गया था लेकिन रात को ही उसे जयपुर भेज दिया गया। अब जयपुर में जाकर पर्चा बयान लिया जाएगा। अब पुलिस मामले की जांच में लगी है।

आमजन की परिवेदनाओं पर संबंधित अधिकारियों पर निर्देश

अलवर। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने गुरुवार को अलवर में अपने निज निवास पर जनसुनवाई की ओर पेयजल, विद्युत, सडक आदि से संबंधित परिवेदनाओं के त्वरित निदान को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के पहले ही बजट में अलवर जिले के लिए पेयजल, स्वास्थ्य, सडक, पर्यावरण संरक्षण सहित अनेक अभूतपूर्व घोषणाएं की है जिनको धरातल पर लाने के लिए कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। यह प्रयास है कि इन योजनाओं का यथाशीघ्र आमजन को लाभ मिलेगा। उन्होंने जनसुनवाई में आए आमजन की परिवेदनाओं पर संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से परिवेदनाओं के त्वरित

अलवर निज निवास पर मंत्री संजय शर्मा (बीच में) ने लोगों की समस्याएं सुनी ।

- नवरात्र प्रथम दिन मंत्री संजय शर्मा ने करणी माता मंदिर में पूजा अर्चना की व अलवर सहित प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

निस्तारण के निर्देश दिए हैं मंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है। कि प्रत्येक परिवेदना के निस्तारण की सूचना फरियादियों को दी जाए। यदि परिवेदना का निराकरण उनके स्तर पर संभव नहीं है। तो उसकी पूरी जानकारी फरियादी को दी जाए। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने नवरात्र प्रथम दिन अलवर करणी माता मंदिर में पूजा अर्चना कर अलवर सहित प्रदेश की खुशी के लिए प्रार्थना की।

'मर्यादा पुरूषोतम भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारें'

निवाई। नगरपालिका मण्डल के तत्वावधान में आयोजित 14 दिवसीय दशहरा मेला महोत्सव का शुभारम्भ गुरूवार को प्रताप स्टेडियम में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, संत मनीषदास महाराज व अध्यक्षता कर रहे नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने रामलीला मंचन का समारोह पूर्वक फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि मर्यादा पुरूषोतम भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारें।

मर्यादा पुरूषोतम भगवान श्रीराम ने अहंकार के प्रतीक रावण का वध करके असत्य पर सत्य की जीत का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि सत्य कभी परास्त नहीं होता है। सत्य सदेव विजय ही रहता है।

संत मनीषदास महाराज ने कहा कि रामायण में त्याग की भावना थी जिसको लेकर भगवान श्रीरामजी ने अपने भाई भरतजी के लिए राज्य का त्याग करके वनवास चले गए। वहीं भरतजी ने अपने भाई श्रीराम जी के लिए राजभिषेक का त्याग कर दिया। वहीं महाभारत में दुर्योधन ने अपने पांच पांडव भाईयों को पूरे साम्राज्य में से 5 गांव देने से भी इंकार कर दिया था। जिसकों लेकर महाभारत का युद्ध हुआ।

इस दौरान पालिकाध्यक्ष दिलीप ईसरानी ने अतिथियों का दुप्पटा व शॉल ओढाकर सम्मानित किया। पालिकाध्यक्ष दिलीप ईसरानी ने बताया कि जागृति रंगमंच के कलाकारों द्वारा श्री गणेश जी की वंदना करके रामलीला के मंचन का शुभारंभ किया। जिसमें गुरूवार को नारद मोह, रावण जन्म, रावण द्विग्विजय एवं रावण-मंदोदरी विवाह का मंचन किया गया। उन्होंने बताया कि नगरपालिका द्वारा आयोजित रामलीला में भगवान श्रीरामजी की लीलाओं को प्रदर्शन किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में पार्षद नितिन छाबडा, परसराम कुमावत, दयाराम चौधरी, कमलेश किराड, विजय शर्मा, मदनलाल वर्मा, विनोद जायसवाल, संजय रैगर, रमेश सैनी, पवन गुरूजी, राम शर्मा व छत्रधारी शर्मा सहित कई पार्षद व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

- संत मनीषदास महाराज ने कहा कि रामायण में त्याग की भावना थी जिसको लेकर भगवान श्रीरामजी ने अपने भाई भरतजी के लिए राज्य का त्याग करके वनवास चले गए। वहीं भरतजी ने अपने भाई श्रीराम जी के राजभिषेक का त्याग कर दिया।
- 14 दिवसीय दशहरा मेला महोत्सव का हुआ आगाज

शारदीय नवरात्र पर पूजा अर्चना का दौर शुरू

सांभरझील, (निस)। आज से शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ होने के साथ ही पूजा अर्चना का दौर शुरू हुआ। . इस बार शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर तक रहेगी. आज प्रतिपदा तिथि पर घटस्थापना के साथ ही नवरात्रि का महापर्व शुरू हो गया। नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना का विशेष महत्व बताया गया है. इस दिन देवी की चौकी के पास विधिवत पूजा के साथ कलश स्थापित कर मां दुर्गा का आ ान किया गया। शाकम्भरी झील के अंदर पहाड़ी पर विराजमान माँ शाकम्भरी देवी जिसे शक्तिपीठ के नाम से भी जाना जाता है का यह दूसरा प्रसिद्ध मंदिर है।

- नवरात्रि का शुभारंभ होने के साथ ही पूजा अर्चना की

मुख्य मंदिर का निर्माण लगभग आठवीं शताब्दी के काल का माना जाता है। यहाँ माता को चौहानों की कुलदेवी के रूप मे पूजा जाता है। शाकंभरी के नामकरण के विषय में यह कहा जाता है कि एक बार इस भू-भाग में भीषण अकाल पड़ने पर देवी ने शाक वनस्पति के रूप में अंकुरित होकर जन-जन का भरण पोषण किया। तभी से देवी का नाम मां शाकंभरी पड़ गया। शाकंभरी देवी का मंदिर सांभर से लगभग 25 किलोमीटर दूर सांभर झील के पास स्थित है। जहां पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

कोटपुतली में कल्याण सप्ताह के अंतर्गत अपराधी सुधार दिवस मनाया

कोटपूतली। उप कारागृह कोटपुतली में कल्याण सप्ताह के अंतर्गत अपराधी सुधार दिवस के मौके पर जिला कलेक्टर एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कोटपुतली बहरोड़ जिलाधिकारी रमेश कुमार दहमीवाल के निर्देशन में अपराधी सुधार दिवस का आयोजन किया गया। समाज कल्याण अधिकारी गजराज यादव ने बंदियों को डाकू रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि बनकर जीवन सुधार का अद्वितीय उदाहरण देते हुए जीवन में प्रेरणा हासिल कर और सुधार कर आगे बढ़ने का संकल्प दिलाया। साथ ही बंदियों से कुशलक्षेम पूछी। वहीं शिव कुमार शर्मा ने बताया कि अपने अतीत को भूलकर वर्तमान से सीखते हुए भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए हौसला अफजाई की। मोनू शर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं से अवगत करवाया। इस अवसर पर उप कारापाल प्रेम प्रकाश सहित अन्य अधिकारी, प्रहरी एवम जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

कोटपूतली में बंदियों को जानकारी देते समाज कल्याण अधिकारी गजराज यादव (खडे हुए)।

अखंड णमोकार जाप अनुष्ठान में उमडे श्रद्धालु

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अठावाल मंदिर में बालयोगी अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में गुरूवार को दश दिवसीय श्री णमोकार मंत्र विधान एवं अखंड णमोकार जाप अनुष्ठान का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। चातुर्मास कमेठी के अध्यक्ष सुनिल भाणजा व हितेश छाबडा ने बताया कि 3 से 10 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले अनादि-निधन, सर्वरोग-शोक-भयनाशक महामंत्र महानुष्ठान का आयोजन धूमधाम से मनाया जा रहा है। महोत्सव को लेकर प्रातकाल में श्रद्धालुओं द्वारा अभिषेक व शांतिधारा, मंगलाष्टक, दिग्बंधनए सकलीकरण किया गया उसके पश्चात कलश स्थापना, अखण्ड दीप स्थापना करने का सौभाग्य नरेंद्र कुमार, दिलीप कुमार भांजा को प्राप्त हुआ। अखण्ड जाप के साथ महोत्सव का शुभारंभ हुआ। भाणजा ने बताया कि 24 घंटे चलने वाले अखण्ड णमोकार जाप अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। उन्होंने बताया कि मुनि अनुसरणसागर महाराज सानिध्य में प्रतिदिन शाम को विशेष जाप अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

खैरथल। आदिवासी धानका जन कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश बावलिया ने कहा है कि पाँच वर्ष पूर्व धानका जनजाति के संबंध में राजस्थान सरकार की ओर से जारी किये गये विवादास्पद पत्र को लेकर शीघ्र ही मुख्यमंत्री से निर्णायक वार्ता की जाएगी। प्रदेशाध्यक्ष बावलिया ने समाज के लोगों के सामने संकल्प लेते हुए घोषणा की कि वे भविष्य में तब तक समाज के मंच पर साफा एवं माला का सम्मान स्वीकार नहीं करेंगे जब तक 9 अगस्त 2019 को राजस्थान सरकार की ओर से धानका समाज के बारे में जारी विवादास्पद एवं अपमानजनक गैर वाजिब पत्र प्रभावहीन घोषित नहीं कर दिया जाता है ।

गुरुवार को धानका समाज के प्रदेशाध्यक्ष मुकेश बावलिया ने क्षेत्र की मुंडावर तहसील के ग्राम नंगली ओझा में आयोजित समाज के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा की धानका जनजाति को लेकर 9 अगस्त 2019 को जारी विवादास्पद पत्र राज्य में हमारे समाज के अस्तित्व को चुनौती देने वाला एवं अपमानजनक है। उन्होंने कहा सरकारी अधिकारियों ने करीब 50-60 साल तक संवैधानिक गजट में उल्लेखित शब्द धाणका के स्थान पर स्वयं ने जाति प्रमाण पत्र में धानका शब्द का प्रयोग किया है । यहाँ तक की सरकारी पत्र व्यवहार में मुख्यमंत्री, मंत्री, अधिकारियों, पुलिस और न्यायालयों ने भी सरकारी दस्तावेजों में ज्यादातर धाणका जाति को धानका ही अंकित किया है । सरकारी अधिकारियों ने करीब 50-60 साल तक धानका जाति के नाम को लिखने में संवैधानिक और शासन की भाषा में अंतर रखा है। वर्ष 2019 में सरकार ने अपनी नींद खोल कर अचानक पत्र जारी करके केवल धाणका को ही सही वर्तनी मानने की घोषणा तो कर दी है लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर रही है कि उसके प्रशासनिक अधिकारियों ने पिछले 50-60 साल में जो धानका लिख कर जनजाति के प्रमाण पत्र जारी किए हैं, उनका क्या समाधान किया जाएगा। बावलिया ने कहा कि राज्य सरकार अपनी गलती को छिपाकर एक समाज के संवैधानिक अधिकारियों पर कुठाराघात नहीं कर सकती है। संविधान और शासन की भाषा के अंतर का खामियाजा प्रदेश का धानका जनजाति समाज नहीं भुगतेगा। और धानका एवं धाणका दोनों एक ही जाति के लिए लिखे जाते हैं।दोनों की अंठोजी वर्तनी एक ही है।

इसलिए राज्य सरकार को अपनी गलती स्वीकार करनी पड़ेगी। इस संबंध में जल्दी ही समाज के प्रतिनिधियों का एक शिष्टमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर अपना पक्ष रखेगा तथा इस संबंध में निर्णयात्मक वार्ता करेगा। समरोह में समाज के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इससे पूर्व समारोह आयोजक खैरथल तिजारा धानका समाज के जिला अध्यक्ष वीर सिंह धानका एवं उनके सहयोगियों ने अतिथियों का माला साफा पहना कर स्वागत किया।

जगह-जगह राम बारात का स्वागत

फुलेरा। श्री रेलवे रामलीला रंगमंच पर स्थानीय कलाकारों के द्वारा पिछले कई दिनों लगातार जारी रामलीला का मंचन शुरू किया जा रहा है। इसके चलते मंचन के दौरान शिव पार्वती संवाद, नारद मोह के साथ रावण कुंभकरण जन्म, पृथ्वी का गोरूप धारण करना, श्री विष्णु का पृथ्वी को अभय दान, श्रीराम जन्म, ताडका वध, सीता स्वयंवर, रावण बाणासुर संवाद, लक्ष्मण परशुराम संवाद, सीता का स्वयंवर आदि मंचन के बाद बुधवार को दोपहर 3 बजे रामलीला रंगमंच से श्रीराम बारात भारी लवाजमें, गाजे बाजे, घोडा बग्गी पर शाही सवारी एवं विशेष जीवंत झांकियों के साथ श्रीराम बारात मायला बाजार में आयोजित जनकपुरी पहुंची। जहां पर बारात का भव्य स्वागत करते हुए आज जनकपुरी के रूप में श्री रेलवे रामलीला कमेटी के पूर्व निदेशक स्व. रामेश्वर लाल भवण की स्मृति में उनके अनुज भागचंद भवण एवं उनके परिवार की ओर से श्री राम जानकी विवाह के उपलक्ष में कलाकारों एवं सदस्यों को आमंत्रित कर श्री राम बारात के रूप में स्वागत अभिनन्दन किया।

जबकि इसके पूर्व राम बारात का जगह-जगह माला, हार पहनाकर एवं पुष्प वर्षा करने के साथ ही जलपान करवाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर नगर के गणमान्य एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

सार-समाचार

बालाजी धाम के लिये पदयात्रा रवाना

मालपुरा आदश हनुमान मंदिर से ध्वज यात्रा निकाली गईं।

मालपुरा (निस) आदर्श नगर हनुमान मंदिर से ध्वज पूजा के साथ घाटी बालाजी धाम के लिये पदयात्रा हुई रवाना। यात्रा संयोजक रामअवतार जैन कडीला सहित भैरू लाल गुर्जर,रामअवतार जैन सहित गणमान्य नागरिको ने पूजा अर्चना कर हाथो मे बालाजी का ध्वज लिये मनमोहक झांकी के साथ पदयात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरी। जगह-जगह पुष्वर्षा से स्वागत किया गया। पुरानी तहसील नसियां बालाजी मंदिर पर पदयात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। तो वही चिन्ताहरण बालाजी मंदिर से हनुतिये हनुमान मंदिर जयसिंहपुरा के लिये पदयात्रा रवाना हुई। मधुसुदन पारीक व गोपाल गुर्जर ने पदयात्रा को ध्वज दिखाकर किया रवाना। बडी संख्या मे युवा पदयात्री शामिल हुये।

घरों व मन्दिरों में हुई घट स्थापना

मानपुरा माचेड़ी। क्षेत्र के कस्बे गांवों के घरों व मन्दिरो में शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन घट स्थापना हुई।लोगो ने मुहर्त अनुसार घट स्थापना की वही मानपुरा माचेड़ी में एक्सप्रेस हाइवे पर स्थित क्षेत्र की आराध्य देवी सेवड़ माता मंदिर में पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ घट स्थापना की।सुबह से ही श्रदालुओ की भीड़ नजर आई। यहाँ नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन माता की अनुपम मनमोहक झांकियां सजाई जाएगी।नवरात्र प्रतिपदा को माता शैलपुत्री की पूजा की गई।क्षेत्र के मानपुरा माचेडी, अचरोल,चंदवाजी, बिलोची,रुण्डल, घटवाड़ा, जाटावाली सहित कस्बे गांवों में लोगो ने मां भगवती की उपासना के पर्व नवरात्रि के प्रथम दिन घरों में घट स्थापना की। लोगों ने उपवास रखा और सुख समृद्धि की कामना की।

फुलेरा में अग्रसेन जयंती मनाई

महाराज अग्रसेन के चित्र पर मुख्य अतिथि जी.डी.अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलन किया।

फुलेरा। कस्बे में अग्रवाल समाज द्वारा अग्रसेन जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान समाज के लोगों ने बुधवार को प्रात: 11 बजे क्षेत्र में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। उक्त शोभायात्रा न्यू कॉलोनी स्थित अग्रवाल भवन परिसर से रवाना होकर बस स्टैंड, गांधी चौक, गणगौरी बाजार, हलवाई बाजार इंदिरा बाजार ज्योतिबा फूले सर्किल होते हुए पुनः अग्रवाल भवन परिसर पहुंची जहां पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें मुख्य अतिथि जी.डी. अग्रवाल, चित्रा गुप्ता के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गये। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता, समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजकुमार गुप्ता, जितेन्द्र अग्रवाल, गोपाल बंसल, भगवान सहाय अग्रवाल, तारा चन्द गर्ग, विनोद बंसल, कमल किशोर कयाल, दिनेश अग्रवाल, सुरेश गोयल, नरेन्द्र बंसल, गिरिराज गर्ग, मनमोहन मंगल, अनिल बंसल श्याम सुंदर अग्रवाल भगवान सहाय अग्रवाल जयंती प्रसाद गुप्ता अनुज अग्रवाल लोकेश चेतन एस मंगल दीपक गर्ग सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

'बाल विवाह सामाजिक कुरीति'

निवाई। विद्या भारती शिक्षा संस्थान के उच्च माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर के पांचजन्य सभागार में बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंदनारायण शर्मा ने बताया कि सिकोईडिकान संस्था की सदस्य सोनू चौधरी ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह के कानूनी पहलुओं को भी विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति होने के साथ ही समाज के लिए अभिशाप भी है। बालिका की उम्र 18 वर्ष एवं बालक की उम्र 21 वर्ष होने पर ही विवाह किया जाना चाहिए। बाल विवाह करने पर दोनों ही परिवारों व विवाह में शामिल होने वाले पंडित, नाई, हलवाई, बैंड बाजा व बारातियों सहित हर उस व्यक्ति को सजा का प्रावधान है जो बाल विवाह की किसी भी गतिविधि में शामिल होता है। कार्यक्रम के दौरान सहायक प्रधानाचार्य मोहनलाल शर्मा, राधेश्याम बारेठ, रामजीलाल गुर्जर, मुकेश पारीक, गिर्राज चौधरी, सत्यप्रकाश शर्मा, सुरेशचंद गौतम, अवधेश राजवंशी व महेशकुमार शर्मा सहित छात्र छात्राएं मौजूद थे।

अग्रसेन जयंती पर निकाली शोभायात्रा

मालपुरा (निस) मालपुरा व टोडारायसिंह कस्बे में अग्रवाल समाज द्वारा अग्रसेन जयंति के अवसर पर जैन समाज के आराध्य देव भगवान अग्रसेन महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मालपुरा मे गांधीपार्क से शुरू हुई शोभायात्रा प्रमुख मार्गो से होते हुये आदर्श नगर पाण्डुक शिला पहुंची। मार्ग मे जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया।

भव्य शोभायात्रा निकाली

निवाई। अग्रवाल समाज द्वारा अग्रवंश शिरोमणि महाराज अग्रसेन की 5178 वीं जन्म जयंती धूमधाम से मनाई गई। समाज के रवि अग्रवाल ने बताया कि जयंती की पूर्व संध्या पर दिगम्बर जैन नसिंया में रात्रि में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भ्रूण हत्या, नशा मुक्ति, बेटी बचाओ बेटी पढाओ नाटक सहित कई धार्मिक गानों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी। नाटक का मंचन सीमा भाणजा, मोना पहाडी, निक्की पराणा, हेमा बनेठा, सँगीता झिलाय द्वारा किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में रितु सारसोप, मोनिका गिन्दोडी, मीना नोहट्टा, दीक्षा माधोराजपुरा, सुरभि सिरस, अंजू जैन, मीनाक्षी जैन, कनिका जैन, अनितमा झिराना, मैना मंडावर, राजुल भाणजा, सपना भाणजा, प्रियंका बोहरा, अनु जैन, रिना जगतपुरा, सरिता जैन, नीलम जैन, मीना जैन, सुनीता जैन, दीपिका जैन, कीर्ति जैन, प्रियंका जैन, हेमा जैन, शांतिसागर पाठशाला एवं मैथिली ठ्रुप व आवा ठ्रुप ने प्रस्तुतियां दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम का चित्र अनावरण चेतन जैन, दीप प्रज्वलन महावीरप्रसाद पहाडी व कार्यक्रम का उद्घाटन महावीर जैन लावा ने किया। जयंती के अवसर पर गुरूवार की सुबह अठावाल धर्मशाला से मुख्य बाजार होते हुए जैन नसिया मन्दिर तक भव्य गाजे बाजे के साथ महाराज अठासेनजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाओं ने बाइक रैली निकालकर एकता का संदेश दिया। शोभायात्रा में महिलाएं-पुरूष महाराज अग्रसेन के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। महाराज अग्रसेन के रथ सारथी पारसमल, महावीर प्रसाद, प्रकाश चन्द, विमल कुमार व दीपक जैन पराणा बने। शोभायात्रा में विधायक रामसहाय वर्मा, पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने भी शिरकत की। इस दौरान ओमप्रकाश गुप्ता टोंक, भंवरलाल अग्रवाल, राकेश अठावाल, देवेंद्र जैन, जितेंद्र जैन, ताराचन्द बोहरा, दिनेश मंगल, संतोष मोदी, हुकुमचंद जैन, पवन बोहरा, शैलेन्द्र जैन, विकास गिन्दोडी, आशीष जैन, आशीष मंगल, राकेश चँवरिया, अक्षय जैन, अठावाल महिला मण्डल अध्यक्ष पिंकी जैन कठमाणा, सीमा जैन, रितु चँवरिया, एडवोकेट सरोज अग्रवाल, ममता, दीपमाला जैन, मुन्नी भाणजा व अंतिमा झिराना सहित अठावाल समाज के सैंकडों लोग मौजूद थे।

घर-घर में हुई घट स्थापना

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गुरूवार को मंदिरों व घरों में विधिवत रूप से शारदीय नवरात्र पर घट स्थापना की गई। मंदिरों में देवी-देवताओं के दर्शनों के लिए श्रृद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। नवरात्र के प्रथम दिन पार्वती मां के शैलपुत्री रूप की पूजा हुई। नवरात्रा के चलते गुरूवार को मंदिरों में देवी-देवताओं की झांकियां सजाकर मुहुर्त के अनुसार विधिवत रूप से घट स्थापना की गई। घटस्थापना को लेकर शहर के एतिहासिक बावडी वाले बालाजी के मंदिर, कंकाली माता के मंदिर, संतोषी माता के मंदिर, दादूदयाल आश्रम, कुंज बिहारी आश्रम, विश्वशांति आश्रम, बस स्टेण्ड बालाजी, मोरिया वाले बालाजी, पेट्रोल पम्प के सामने वीर बालाजी, दुर्गामाता मंदिर, भगवान गौरीशंकर महादेव मंदिर, श्री चिंताहरण गणेश मंदिर, कृषि मंडी स्थित भगवान लक्ष्मीनाथ मंदिर एवं खाटू श्यामजी मन्दिर सहित जयसिंहपुरा बालाजी, बंजारी माता मूण्डिया, पहाडी खण्डवा व नला सहित कई गांवों में स्थित मंदिरों पर दिन भर कई धार्मिक अनुष्ठानों की धूम मची रही तथा मंदिरों में दर्शनों के लिए श्रद्घालुओं का तांता लगा रहा।

पावटा में अग्रवाल महासभा ने धूमधाम से निकाली शोभायात्रा

पावटा। अग्रवाल महासभा पावटा के तत्त्वाधान में गुरुवार को अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल समाज के कुलप्रवर्तक समाजवाद के प्रणेता महाराज अग्रसेन की 5148वीं जयंती प्रात 5 बजे घंटाघर चौक से प्रभात फेरी शुरू हुई जो कस्बे के प्रमुख बाजारों से होती हुई पुन घंटाघर चौक पर विसर्जित हुई। वही सांय को घोडियों की शाही लवाजमें के साथ शोभायात्रा के साथ धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाई गई। कस्बे के मोदी मंदिर से कार्यक्रम की शुरूआत महाराज अग्रसेन व माँ लक्ष्मी की सजीव झांकी के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके बाद महाराज अग्रसेन की लवाजमे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई कैलाश जी की बगीची कार्यक्रम स्थल पहुँची जहाँ अठासेन जी की सजीव झांकी के आगे महाआरती का आयोजन हुआ। इस मौके पर आतिशबाजी का भव्य प्रदर्शन भी किया गया। शोभायात्रा में घोडा बग्गी व रथ रूपी वाहन में महाराज अठासेन की झांकी, माँ लक्ष्मी की सजीव झांकी सहित अन्य देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां सजाई गई। वहीं झाकियों के आगे बैंड की धुन पर अठा बन्धु व घडों पर गुडसवार चल रहे थे। जगह जगह तोरण द्वार लगाये गये व रास्ते में जगह जगह आरती उतारकर व पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। वही तहसील व नगर समाज के लोगों द्वारा पुष्प वर्षा व जलपान करवाकर स्वागत किया गया। इसके बाद शाम को कैलाश जी की बगीची में भामाशाह व छात्र-छात्रा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित भी किया गया। वही प्रिंस ठ्रुप जयपुर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। वही कार्यक्रम का आयोजन पावटा अग्रवाल महासभा संरक्षक सियाराम, कैलाश गर्ग, दौलतपुरा अग्रवाल, अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल, उपाध्यक्ष रवि शंकर मंगल, महामंत्री पंकज गुप्ता, कोषाध्यक्ष निहील मंगल, सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल पंसारी, गोपाल अठावाल, पूर्व अध्यक्ष महेश गोयल, सांवर बंसल, गणेश मोदी, नवीन गर्ग, मनोज मित्तल, संतोष गुप्ता सहित अठा बंधुओ ने महाराजा अठासेन व कुलदेवी महालक्ष्मी की सजीव झांकियां की आरती उतारकर व पूजा अर्चना कर रवाना किया। इस मौके पर अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सामज को एकजुटता के साथ समय-समय पर रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहना चाहिए, जिससे समाज में एकरूपता बनी रहती है।

पावटा में अग्रसेन जयंती पर निकाली शोभयात्रा का लोगों ने स्वागत किया।